RAS MAINS TEST SERIES 2018

PAPER –II GENERAL KNOWLEDGE AND GENERAL STUDIES

Unit-III - **GEOGRAPHY**

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित है।

1. विक्टोरिया झील की क्या विशेषता हैं ?

उत्तरः- तंजानिया, केन्या व युगाण्डा के मध्य अवस्थित यह झील अफ्रीका महाद्वीप की सबसे बड़ी झील हैं। इसके मध्य से भूमध्य रेखा गुजरती है व यह श्वेत नील नदी का उद्गम स्त्रोत भी हैं।

2. किलीमंजारो पर्वत क्यों प्रसिद्ध हैं ?

उत्तरः- केन्या व तंजानिया की सीमा पर स्थित यह पर्वत अफ्रीका महाद्वीप की सर्वोच्च चोटी है जो मृत ज्वालामुखी का उदाहरण भी हैं।

3. सुसुप्त ज्वालामुखी के दो उदाहरण लिखिए ?

उत्तरः- ऐसे ज्वालामुखी जिनमें कुछ वर्षों पूर्व लावा उद्गार हुआ था, वर्तमान में नहीं हो रहा परन्तु भविष्य में होने की संभावना हो सुसुप्त ज्वालामुखी कहलाते हैं।

उदाहरण - विसुवियस (इटली) एवं क्राकाताओं (इण्डोनशिया)

4. क्रेटर झीलों की उत्पत्ति का क्या कारण हैं ?

उत्तरः- मृत ज्वालामुखी पर्वतों के शीर्ष भाग पर गड्ढों में जल के भराव से क्रेटर झीलों की उत्पत्ति होती हैं। उदाहरण - टोबा झील (इण्डोनशिया)

5. मेसा व बूटी क्या हैं ?

उत्तरः- ज्वालामुखी क्रिया के दौरान पहले से निर्मित चट्टानों पर लावा फैलने से निर्मित छोटी टोपीनुमा आकृति बूटी व बड़ी टोपीनुमा आकृति मेसा कहलाती हैं।

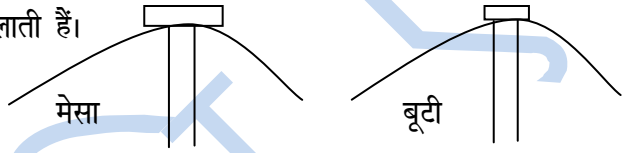

6. कार्स्ट मैदान से क्या अभिप्राय हैं ?

उत्तरः- ऐसे प्रदेश जिनमें सतह पर चूना पत्थर इत्यादि पाये जाते हैं, यहाँ जल घुलन प्रक्रिया द्वारा भूमिगत हो जाता है, जिससे कुछ समय पश्चात् सतह की संरचना के टूटने से कार्स्ट मैदान निर्मित होते हैं।

7. गोखरू झील से क्या तात्पर्य हैं ?

उत्तरः- नदियों के तीव्र मोड़ या विसर्प के छूट जाने से निर्मित झीले गोखरू झील कहलाती है, ये अस्थायी प्रकृति की होती हैं।

8. बुग्याल से क्या अभिप्राय हैं ?

उत्तरः- उत्तराखण्ड क्षेत्र में हिमालय में हिमरेखा व वृक्षरेखा के मध्य विस्तृत घास के मैदान बुग्याल कहलाते हैं।

9. काराकोरम के हिमनदों का उल्लेख कीजिए ?

उत्तरः- काराकोरम के प्रमुख हिमनदों में सियाचीन, हिसपार, वाल्टोरो, रीमो, बियाफो, बतूरा इत्यादि हिमनद सम्मिलित हैं।

10. डंकन मार्ग क्या हैं ?

उत्तरः- अण्डमान - निकोबार द्वीप समूह के दक्षिणी अण्डमान व लघु अण्डमान द्वीप के मध्य स्थित जल मार्ग डंकन मार्ग हैं।

11. व्हीलर द्वीप का नया नाम लिखिए ?

उत्तरः- उड़ीसा तटवर्ती क्षेत्र के समीप स्थित व्हीलर द्वीप का नया नाम पूर्व राष्ट्रपति व मिसाइल मैन स्वर्गीय डॉ. अब्दुल कलाम के नाम पर डॉ. अब्दुल कलाम द्वीप रखा गया हैं।

12. पछुआ विक्षोप क्या हैं ?

उत्तरः- भूमध्य सागर से उत्पन्न होने वाले शीतोष्ण चक्रवात शीतकाल में उत्तर भारत के मैदानी भागों व पश्चिमी हिमालय में प्रवेश कर वर्षा करते हैं, पश्चिमी विक्षोप कहलाता हैं।

13. मानसून पूर्व की वर्षा का भारत पर क्या प्रभाव पड़ता हैं ?

उत्तरः- मानसून पूर्व की वर्षा सीमित मात्रा में होने पर जायद व अन्य फसलों के लिए अतिलाभदायक होती है किन्तु अत्यधिक वर्षा से फसलों को हानि होने की भी संभावना रहती हैं।

14. टुण्ड्रा जलवायु को स्पष्ट कीजिए ?

उत्तरः- इस प्रकार की जलवायु में ऊँचाई के साथ तापमान में कमी आती हैं, भारत में यह जलवायु उत्तराखण्ड व समीपवर्ती पर्वतीय क्षेत्रों में पायी जाती हैं ।

15. भारत में न्यूनतम व अधिकतम जनसंख्या घनत्व वाले राज्य के नाम लिखिए ?

उत्तरः- सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला राज्य - बिहार (1106 व्यक्ति/किमी.^{2})

न्यूनतम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य - अरूणाचल प्रदेश (17 व्यक्ति/ किमी.^{2})

16. भारत में समाजशास्त्र का जनक कौन माना जाता हैं ?

उत्तरः- भारत में समाजशास्त्र का जनक प्रो. गोविन्द सदाशिव धुर्ये को माना जाता है। (बम्बई वि.वि. में समाजशास्त्र विभाग के पूर्व विभागध्यक्ष)

17. जाति व्यवस्था का परम्परागत सिद्धांत समझाइये ?

उत्तरः-इस सिद्धांत के अनुसार विराट पुरुष ब्रह्मा से चार वर्णों की उत्पत्ति हुई जिसका उल्लेख ऋग्वेद के दसवें मण्डल के पुरुष सुक्त में मिलता है। कालान्तर में वर्ण जाति में परिवर्तित हुए ।

18. टापरा किसे कहते हैं ?

उत्तरः- भील जनजाति के आवास स्थल/घर को टापरा कहते हैं ?

19. गरासिया जनजाति में विवाह के प्रकार बताइये ?

उत्तरः- गरासिया जनजाति में मौर बाँधिया (फेरे) ताणना विवाह, पहरावना विवाह प्रचलित है, इसके अतिरिक्त विनिमय विवाह व सह पलायन की भी परंपरा हैं।

20. जनजातियों की दो प्रमुख समस्याएँ लिखिए ?

उत्तरः-1) आर्थिक समस्याएँ - स्थानान्तरित कृषि, बंधुआ मजदूरी, ऋण ग्रस्तता

2) सामाजिक समस्याएँ - वधू मूल्य, सांस्कृतिक प्रदूषण, कलाओं को ह्रास ।

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 50-50 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित है।

21. उष्ण कटिबन्धीय घास भूमियों पर टिप्पणी लिखिए ?

उत्तरः-उष्ण कटिबन्धीय घास भूमियों का विस्तार दोनों गोलार्द्धो में 5^o से $23\frac{1}{2}^o$ अक्षांसों तक पाया जाता हैं, इनमें सामान्यतः लम्बी व कठोर घास पायी जाती हैं । उदाहरण -

1) सवाना घासभूमि - अफ्रीका महाद्वीप (सर्वाधिक सूडान में)
2) लानोस घास भूमि - द. अमेरिका महाद्वीप (वेनेजुएला में)
3) कम्पोस घास भूमि - द. अमेरिका महाद्वीप (ब्राजील में)
4) पटाना घास भूमि - एशिया महाद्वीप (श्रीलंका में)

22. बेगनर द्वारा प्रतिपादित महाद्वीपीय विस्थापन संबंधी साक्ष्य का विवरण दीजिए ?

उत्तरः- बेगनर ने महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत निम्न साक्ष्यों के आधार पर प्रतिपादित किया-

1) जिग-सॉ फिट - अटलांटिक महासागर के पूर्वी व पश्चिमी तटों को मिलाया जाये तो वे आपस में जुड़ते प्रतीत होते हैं ।
2) सोने संबंधी साक्ष्य - ब्राजील के तटीय भाग व घाना देश के तटीय भागों में सोने का पाया जाना ।
3) अपलेशियन पर्वत संबंधी साक्ष्य - उ. अमेरिका महाद्वीप के पूर्वी भाग में यह पर्वत विखण्डीत अवस्था में हैं, जिसका शेष भाग नॉर्वे-स्वीड़न में जलॉन पर्वत के रूप में हैं।
4) लेमिंग जन्तु - ग्रीनलैण्ड में पाया जाने वाला यह जन्तु पश्चिम की ओर दौड़ते हुए समुद्र में कूद जाता हैं।

23. हिमालय का प्रादेशिक विभाजन समझाइये ?

उत्तरः- पश्चिम से पूर्व की ओर हिमालय को 4 प्रदेशों में विभाजित किया

1) पंजाब हिमालय - विस्तार सिंधु नदी के गॉर्ज से सतलज नदी के गॉर्ज तक लगभग 560 किमी. में जम्मू-कश्मीर व हिमाचल प्रदेश में स्थित हैं।

2) कुमायू हिमालय - सतलज नदी के गॉर्ज से पूर्व में काली नदी तक लगभग 200 किमी. उत्तराखण्ड में विस्तृत क्षेत्र।
3) नेपाल हिमालय - पश्चिम में काली नदी से पूर्व में तिस्ता नदी तक विस्तारित 800 किमी. क्षेत्र जो मुख्यतः नेपाल व सिक्किम में अवस्थित हैं।
4) असम हिमालय- पश्चिम में तिस्ता नदी से पूर्व में ब्रह्मापुत्र नदी के गॉर्ज तक लगभग 720 किमी. में विस्तृत अरूणाचल प्रदेश व असम में स्थित हिमालय क्षेत्र ।

24. अलनीना दक्षिणी दोलन (ENSO) क्या हैं ?

उत्तरः- अलनीना एक विशिष्ट गर्म जलधारा है, जो पेरू तट के पास प्रशान्त महासागर मे उत्पन्न होती है। इसके कारण मध्य पूर्वी प्रशान्त महासागर के तापमान में वृद्धि हो जाती है। इस समय सूर्य के दक्षिणायन के कारण ITCZ विषुवत रेखा के दक्षिण में स्थित होता हैं, इसे दक्षिणी दोलन कहते हैं जिस कारण दक्षिणी महासागरों का जल गर्म हो जाता है व अलनीना के प्रभाव वाले क्षेत्र में जल के तापमान में अधिक वृद्धि होती है, इस घटना को अलनीना दक्षिणी दोलन कहते हैं।

25. भारत में मानसूनी वर्षा वितरण को प्रभावित करने वाले कारक स्पष्ट कीजिए ?

उत्तरः- भारत में मानसूनी वर्षा वितरण को प्रभावित करने वाले कारकों में उच्चावच कारक सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं। इनमे पर्वतों की संरचना एवं अवस्थिति व भ्रंश घाटियों की उपस्थिति वर्षा वितरण का महत्वूपर्ण कारक है। उदाहरणार्थ पश्चिम घाट की विपरित ढालों पर असमान वितरण, अरावली की अवस्थिति के कारण राजस्थान में अरब सागरीय शाखा से अधिक वर्षा का न होना, मेघालय में कीपाकार पहाड़ियां के कारण अत्यधिक वर्षा इसे स्पष्ट करते हैं। अन्य कारकों में स्थल की समुंद्र से दूरी, पूर्वी घाट की संरचना व अवस्थिति, अक्षांसीय स्थिति, हिमालय की स्थिति इत्यादि भी वर्षा वितरण को प्रभावित करते हैं।

26. BWhw प्रकार की जलवायु का वर्णन कीजिए ?

उत्तरः- BWhw जलवायु उष्ण शुष्क मरूस्थलीय प्रकार की जलवायु है, यहाँ वर्षा की मात्रा कम होती है (सामान्यतः औसत 50 सेमी. से कम) व वर्षभर शुष्कता बनी रहती है। ग्रीष्मकाल में अत्यधिक तापमान पाया जाता है, यहाँ शुष्क कंटीली वनस्पति पायी जाती है। ये स्थल मानसूनी वर्षा द्वारा पर्याप्त जल प्राप्त नहीं करते किन्तु ग्रीष्मकाल में संवहनिक वर्षा प्राप्त करते हैं। भारत में इस प्रकार की जलवायु अरावली के पश्चिम में पश्चिमी राजस्थान व उत्तर पश्चिमी गुजरात में पायी जाती हैं।

27. वर्तमान समय में समाजशास्त्र के अध्ययन की क्या आवश्यकता हैं ?

उत्तरः-वर्तमान समय में समाज के बदलते स्वरूप, जटिल सामाजिक अन्तर्सम्बंधों व नवीन समस्याओं ने समाजशास्त्र की प्रासंगिकता में वृद्धि की है। एक ओर जहाँ आंतकवाद, संरक्षणवाद, नस्लवाद, जातिवाद, साम्प्रदायिकता, युवा वर्ग में नैराश्य जैसी समस्याओं के उपाय की खोज ने समाजशास्त्र के अध्ययन को अपरिहार्य बनाया है वही दूसरी ओर वैश्वीकरण, आधुनिकीकरण, सांस्कृतिक विविधता व इनके समागम इत्यादि से समाज के बदले स्वरूप की समझ विकसित करने हेतु समाजशास्त्र की आवश्यकता बनी हुई है। इसी के साथ नागरिक समाज, स्वयं सेवी संगठनों के प्रयासों के रूप में समाजशास्त्र का नवीन प्रायोगिक रूप परिलक्षित हुआ हैं।

28. सामाजिक मूल्यों का महत्व स्पष्ट कीजिए ?

उत्तरः- किसी समाज को एकत्रित, संगठित व नियंत्रित करने हेतु सामाजिक मूल्य आधारभूत है। ये व्यक्ति व समूहों का शेष विश्व से सामन्जस्य स्थापित करते है व मार्गदर्शक होते हैं। इनके कारण ही सामाजिक संबंधों में संतुलन स्थापित होता है क्योंकि ये अनुरूपता व विचलन को निर्धारित करते हैं ये समाज के वांछित व्यवहार व उनके लिए प्रतिबद्धता की अभिव्यक्ति हैं। मूल्य ही समाज में व्यक्ति की विभिन्न प्रस्थिति व उससे जुड़ी भूमिकाओं का निर्देशन करते हैं। इस प्रकार मूल्य सामाजिक अस्तित्व के केन्द्रीय तत्व हैं।

29. जाति व्यवस्था के सकारात्मक प्रभाव बताइये ?

उत्तरः- जाति व्यवस्था की समाज को संगठित कर व्यवस्थित रूप से व्यक्ति के पद व कार्यों को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जाति व्यवस्था से व्यक्ति की सामाजिक स्थिति व व्यवसाय का निर्धारण करना सहज हुआ। व्यवसाय की निश्चितता से व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा में कमी आयी व दक्षता का पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरण संभव हुआ। जाति व्यवस्था ने सदस्यों की भावनात्मक, मानसिक व सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित की व समान सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के जीवन साथी के चुनाव से वैवाहिक स्थिरता में वृद्धि की । जाति अपने सदस्यों के व्यवहार पर नियंत्रण रखकर सामाजिक व्यवस्था को बनाए रखने में सहायक हैं।

30. वर्ण व्यवस्था का समालोचनात्मक परीक्षण करें ?

उत्तरः-

सकारात्मक पक्ष	नकारात्मक पक्ष
▪ श्रम विभाजन व श्रम विशेषीकरण की अद्वितीय व्यवस्था ▪ समानता पर आधारित प्रत्येक सेवा का समान महत्व ▪ सामजिक संघर्षों पर नियंत्रण व शक्ति संतुलन ▪ सांस्कृतिक विशेषताओं के हस्तांतरण की व्यवस्था ▪ कर्त्तव्य परायणता का समाज में समावेश सुनिश्चित करने की व्यवस्था	▪ व्यावहारिक दृष्टि से कुछ दोष भी सम्मिलित हैं। ▪ शुद्रो के शोषण की व्यवस्था में परिवर्तित हुई। ▪ स्वतंत्रता, समानता आदि मानवीय सिद्धांतो की अवहेलना ▪ एकाधिकार की सामाजिक नीति को प्रोत्साहन मिला । ▪ निम्न वर्ण में जागरूकता व चेतना का ह्रास हुआ।

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 100 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक निर्धारित है।

31. मध्यवर्ती मैदान का भौतिक विभाजन प्रस्तुत करें ?

उत्तरः- मध्यवर्ती मैदानी प्रदेश लगभग साढ़े सात लाख वर्ग किलो मीटर क्षेत्र में विस्तृत जलोढ़ संरचना का प्रदेश है जिसे 5 भागों में वगीकृत किया गया हैः-

1) भांवर प्रदेश - मैदान के उत्तर में स्थित कंकड़ युक्त प्रदेश जिसकी उत्पत्ति हिमालय से उतरने वाली नदियों के निक्षेपण से हुई है, यहाँ नदियों का जल कंकड़-पत्थर के नीचे छिप जाता हैं।

2) तराई-भांवर के दक्षिण में दलदली संरचना का प्रदेश जिसकी उत्पत्ति नदियों के सतह पर पुनः प्रकट होने से होती है।

3) बांगर- मध्यवर्ती मैदान के पश्चिमी भाग में स्थित पुराने जलोढ़ मैदान को बांगर कहते है। यहाँ बाढ़ का जल प्रवेश नहीं कर पाता (सिंधु-ऊपरी गंगा का मैदान)

4) खादर - यह मध्यवर्ती मैदान के नवीन जलोढ़ संरचना का क्षेत्र है, जहाँ लगभग प्रत्येक वर्ष नदियों द्वारा बाढ़ के साथ जलोढ़को का निक्षेपण होता है। (निम्न गंगा-बह्मपुत्र का मैदान)

5) डेल्टाई संरचना - यह नदी के मुहाने के पास विकसित एक संरचना है जिसमें मुख्यतः नदी कई उपशाखाओं में विभाजित हो जाती हैं। (गंगा-ब्रह्मपुत्र का डेल्टा)

32. दक्षिणी-पश्चिमी मानसून की उत्पत्ति की प्रक्रिया समझाइये ?

उत्तरः- ग्रीष्मकाल में सूर्य के उत्तरायण के कारण भारत के ऊपर तापमान में वृद्धि से निम्न वायुदाब क्षेत्र का विकास होता है। इस समय तिब्बत का पठार भी गर्म होता है जो मानसून के लिए इंजिन का कार्य करता है। इस समय तक ITCZ का विस्तार हिमालय की ओर होने से उत्तर भारत में अत्यधिक निम्न वायुदाब का क्षेत्र विकसित होता है।

तिब्बत के पठार के गर्म होने के कारण यहाँ से गर्म हवाएँ उत्तर व दक्षिण में प्रवाहित होने लगती है व पूर्वी जेट स्ट्रीम प्रवाहित होती है। जब यह भारत के ऊपर से गुजरती है तब भारत के ऊपर निम्न वायुदाब में वृद्धि होती है, जो मानसून की उत्पत्ति हेतु आदर्श दशा है। जब पूर्वी जेट स्ट्रीम अरब सागर के ऊपर पहुचती है, तब यह ठण्डी व भारी होकर नीचे बैठने लगती है व अरब सागर- हिन्द महासागर के उच्च वायुदाब में वृद्धि होती है। अरब सागर के उच्च वायुदाब क्षेत्र से हवाएँ समुद्री आर्द्रता ग्रहण कर भारत की मुख्य भूमि में प्रवेश करती है, इसकी दिशा दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व होती है। इस प्रकार द. पश्चिमी मानसून की उत्पत्ति होती हैं।

33. भारत में मानसूनी वर्षा वितरण का प्रारूप किय प्रकार का है, संक्षेप में समझाइये ।

उत्तरः- भारत में ग्रीष्मकाल में दक्षिण-पश्चिम मानसून (कुल वर्षा का 80%) एवं शीतकाल में उत्तरी-पूर्वी मानसून से वर्षा प्राप्त होती है। द.-पश्चिम मानसून अरब सागर की शाखा व बंगाल की खाड़ी की शाखा में विभाजित हो कर भारत में प्रवेश करती है। अरब सागरीय शाखा पश्चिमी घाट उपशाखा के रूप में केरल व पश्चिमी घाट के पश्चिम में लगभग 250 सेमी. वर्षा करती है किन्तु पर्वत के पूर्वी भाग वृष्टि छाया प्रदेश में औसत वर्षा 50-55 सेमी. ही होती है। नर्मदा-ताप्ती उपशाखा नर्मदा व ताप्ती की घाटियों से होती हुई मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र से लेकर छोटा नागपुर तक 125-150 सेमी. औसत वर्षा करती है। खम्भात की खाड़ी की शाखा उत्तर की ओर जम्मु-कश्मीर व हिमाचल में वर्षा करती हैं। यह शाखा अरावली की स्थिति के कारण राजस्थान में केवल 25 सेमी औसत वर्षा करती हैं।

बंगाल की खाड़ी की शाखा अरब सागरीय शाखा के पश्चात् प्रवेश करती है। इसकी आंध्र-उड़ीसा की उपशाखा पूर्वी घाट से टकराकर तटवर्ती प्रदेश में 150 सेमी वर्षा करती है व मेघालय शाखा मेघालय की पहाड़ियों में औसत 1000 सेमी. वर्षा करती है, मेघालय पठार के उत्तर में गुवाहाटी में 110 सेमी. वर्षा (वृष्टि छाया) होती है। हिमालय उपशाखा द्वारा हिमालय व मध्यवर्ती प्रदेश में वर्षा होती है, यहाँ अरूणाचल में 280 सेमी. व जम्मु में 100 सेमी. वर्षा औसत होती हैं। शीतकाल में उ. पू. मानसून से तमिलनाडु वर्षा प्राप्त करता हैं।

34. उष्ण मानसूनी पतझड़ वनों की भारत में क्या महत्ता हैं ? समझाइयें ।

उत्तरः- उष्ण कटिबन्धीय मानसूनी पतझड़ वन 100 से 200 सेमी वर्षा वाले प्रदेशों में पाये जाते हैं। भारत में ये वन उत्तरी मैदानी राज्य झारखण्ड, छतीसगढ़, उड़ीसा के क्षेत्रों में पाये जाते हैं। यहाँ क्रमशः आर्द्र व शुष्क जलवायु में परिवर्तन के कारण वनस्पतियाँ शुष्कता व वाष्पीकरण से बचने के लिए पत्तों को गिरा देती हैं।ये वन आर्थिक दृष्टिकोण से सर्वाधिक महत्वपूर्ण होते है क्योंकि यहाँ बहुपयोगी वृक्ष पाये जाते हैं। इनमें साल, सागवान, शीशम, महुआ, शहतूत, चन्दन, आम जामुल, कटहल, सेवई घास महत्वपूर्ण हैं।

सागवान व शीशम का फर्नीचर उद्योग में महत्व है शहतुत पर रेशम कीट पालन किया जाता है। चन्दन के कई उपयोग है जिनमें फर्नीचर, सौन्दर्य प्रसाधन औषधी व पूजा सम्मिलित है। सेवई घास का उपयोग कागज उद्योग में किया जाता हैं। इन वनों से प्राप्त उत्पादों का प्रयोग तेल, वार्निश व चमड़ा रंगने हेतु भी किया जाता है व इनके कुछ भागों का प्रयोग पशुचारण हेतु किया जाता हैं। इस प्रकार ये वन बहुपयोगी वन हैं।